ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन द्वारा भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी के "स्पेश्यल एडिशन ऑफ मन की बात – अ सोशल रिवोलूशन ऑन रेडियो (गुजराती एडिशन)" माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी द्वारा लिखित "एग्जाम वोरियर्स" (गुजराती एडिशन) और "चिंतन शिविर" माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी द्वारा दिये गए भाषणों के संकलन के विमोचन कार्यक्राम में गुजरात के राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहली जी का संबोधन। (दिनांक : १२ फरवरी, २०१८)

- आज के कार्यक्रम में जिन तीन पुस्तकों का विमोचन हुआ निश्चितरूप से वे तीनों पुस्तके हमारे साहित्य को समृद्ध करती है।

- समाज को हमेशा अच्छी पुस्तकों की आवश्यकता रहती है - ऐसी पुस्तकें जो समाज के लिए मार्गदर्शक हो सके तथा जिनका व्यक्ति के जीवन और आचरण पर गहरा असर हो सके । ऐसी पुस्तकों की हमें जरूरत है। आज जिन पुस्तकों का विमोचन हुआ है, वे निश्चितरूप से व्यक्तित्व के विकास में योगदान देनेवाली पुस्तकें हैं। इसीलिए इन पुस्तकों के विमोचन के कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मुझे प्रसन्नता हो रही है।

- आज तीन पुस्तकों का विमोचन हुआ । इनमें से एक है जिसका नाम है "Exam Warriors"। यह पुस्तक विद्यार्थी के मन में परीक्षा के अवसर पर जो भय छा जाता है उसे दूर करने में मदद देती हैं। इस पुस्तक को पढ़कर विद्यार्थी परीक्षा को खेलभावना के रूप में ले सकते है। अब यह खेलभावना क्या है ? खेलभावना वह होती है जिसमें जीत और हार का उतना महत्व नहीं होता है जितना महत्व खेल खेलने के आनंद का

है। ठीक उसी प्रकार से परीक्षा में पास होने या फैल होने के बजाय परीक्षा देने का एक आनंद जो है वहीं महत्व का है, यह बात इस पुस्तक में से निकलती है।

- कुछ महीने पहले इसी सभागार में हमने एक कार्यक्रम किया था जिसमें समाज जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों की महान हस्तियों को बुलाकर हमने इस बात पर चिंतन किया था की परीक्षा के दौरान जो छात्र तनाव में रहकर आत्महत्या करते हैं, इसे क्या कम किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में माननीय शिक्षामंत्री जी भी उपस्थित थे। सामान्यत: हमारे छात्र परीक्षा को एक आतंक के रूप में देखते हैं। परीक्षा के आतंक से मुक्ति दिलाने के काम में यह पुस्तक सहायता करती है, यही बात इस पुस्तक के महत्व को दर्शाती है।

- आत्मविश्वास होने पर मनुष्य कई करामतें कर सकता है। भय और आत्मविश्वास एक दूसरे के विरूद्ध है। भय को दूर करके आत्मविश्वास को कैसे बढ़ाया जाये, इस बात का इस पुस्तक में बहुत ही सुंदर ढंग से निरूपण किया गया है। आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी की दूसरों के साथ संवाद करने की अलग शैली है जो श्रोताओं को असरकारक ढंग से प्रभावित करती है। मैं समझता हूँ की यह पुस्तक हमारे छात्रों के लिए, शिक्षकों के लिए तथा अभिभावकों के लिए बहुत ही उपयोगी है।

- आज जो दूसरे पुस्तक का विमोचन हुआ वह पुस्तक है "मन की बात"। यह कार्यक्रम बहुत ही लोकप्रिय हुआ है। हमारा युवावर्ग हमेशा इस कार्यक्रम का इंतजार करता है। यह कार्यक्रम हमारे देश के प्रधानमंत्री जी को जनता से तथा विशेषरूप से युवाओं से

जोड़ता है तथा राजनेता और जनता के बीच की दूरी को कम करता है और संवाद को बढ़ाता है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी श्री नरेन्द्र मोदी जी को नये-नये विचार तथा नये-नये मौलिक बाते सूझती है । वे रूढ़ी और परंपरा से हटकर नये रास्तों की तलाश करते है और जो नई-नई बातें उनके मन में उद्भवित होती है इन बातों को वे बांटना चाहते है और इसकेलिए ही इन्होने "मन की बात" कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम में ऐसी कई बाते हैं जो जीवन की दिशा को बदल सकती है और जिनका मन पर बहुत गहरा असर होता है। अब ये पुस्तक गुजराती भाषा में उपलब्ध हुआ है और मेरा मानना है की हमारे गुजरात के युवाओं को इस पुस्तक में से बहुत ही उपयोगी सामग्री मिलेगी।

- आज जो तीसरी पुस्तक का विमोचन हुआ वह है "चिंतन शिविर" में दिये गए भाषणों का संग्रह। कुछ लोगों के लिए चिंतन शिविर शब्द अपरिचित होगा मगर संघ के स्वयं सेवकों के लिए चिंतन शिविर जाना पहचाना शब्द है। पक्ष के स्वयं सेवक एक जगह पर इकट्ठे होते हैं और किसी भी मामले पर विचार विमर्श करते हैं। चिंतन शिविर वास्तव में, गुजरात के तत्कालिन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी का प्रशासको के साथ संवाद का दूसरा नाम है। सरकार को नेता तथा प्रशासक मिलकर चलाते है। सरकार न तो केवल राजनेता चलातें है न तो प्रशासक चलाते हैं। नेता और प्रशासक दोनो मिलकर सरकार चलाते है। इसीलिए राजनेता और प्रशासक के बीच संवाद होना चाहिए, बातचीत होनी चाहिए, विचार-विमर्श होना चाहिए। सरकार के मुखिया के शासन-प्रशासन के बारे में जो सोच है वह सोच प्रशासकों के सामने आनी

चाहिए। सरकार कैसी होनी चाहिए, लोगों का कल्याण करने के लिए कैसी योजनाएँ होनी चाहिये, उन योजनाओं का क्रियान्वयन कैसा होना चाहिये इत्यादि अनेक विषयों पर तत्कालीन मुख्यमंत्री जी के विचार इस चिंतन शिविर नामक पुस्तक में दर्शाये गए है । गुजरात के विकास की बहुत सी योजनाओं और बहुत से आयाम इसी प्रकार की चिंतन शिविर की कार्यक्रमों से उत्पन्न हुये है। राजकीय नेतृत्व तथा प्रशासन के बीच में सेतु का काम इन चिंतन शिविरों ने किया है। हमारे यहां सुशासन यानि की "Good Governance" की बहुत सी बाते होती है मगर सुशासन कैसे हो, इसका स्वरूप क्या हो सकता है, ये सब बातें चिंतन शिविर पुस्तक में देखने को मिलती है।

- मैं इन पुस्तकों के अनुवादको को, लेखको को और प्रकाशको को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। मुझे लगता है की आनेवाली पीढ़िया इन मौलिक विचारो से अवश्य लाभान्वित होगी। धन्यवाद।